No. of Printed Pages : 4

RPS-103

Ph.D. IN POLITICAL SCIENCE (PHDPS)

Term-End Examination

00455

December, 2017

RPS-103 : INDIA : STATE, SOCIETY AND POLITICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer any **five** questions. All questions carry equal marks. Answer each question in at least 500 words.*

1. "Modernisation framework focused on the maintenance of the political system rather than on its radical transformation." Do you agree with this statement ? *20*

2. Is Marxian framework adequate to explain the emergence of new social classes in India ? *20*

3. Explain the impact of economic reforms on farmers of India. *20*

4. Ideology has become irrelevant in Indian politics. Comment. *20*

5. Identity politics is incompatible with democracy in India. Explain your views with some examples. *20*

6. What are the major arguments about patterns of regional development in India ? Explain. *20*

7. During the reform era, Indian States have become more autonomous. Do you agree with this statement ? *20*

8. Discuss the challenges before the democratic civil society organisations in India. *20*

9. The Constitution of India provides a vision for transforming India. Examine. *20*

10. Recognition without distributive justice has no meaning. Do you agree with this statement ? *20*

आर.पी.एस.-103

राजनीति विज्ञान में पी.एच.डी. (पी.एच.डी.पी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

आर.पी.एस.-103 : भारत : राज्य, समाज और राजनीति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर कम-से-कम 500 शब्दों में दीजिए ।*

1. "आधुनिकीकरण ढाँचे (framework) ने राजनीतिक व्यवस्था के रख-रखाव पर जोर दिया न कि उसके क्रांतिकारी रूपांतरण पर ।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? *20*

2. क्या मार्क्सवादी ढाँचा (framework) भारत में नए सामाजिक वर्गों के उद्‌भव की व्याख्या के लिए पर्याप्त है ? *20*

3. भारत के कृषकों पर आर्थिक सुधारों के प्रभाव की व्याख्या कीजिए । *20*

4. भारतीय राजनीति में विचारधारा अप्रासंगिक हो गयी है । टिप्पणी कीजिए । *20*

5. भारत में लोकतंत्र के साथ पहचान राजनीति का सामंजस्य नहीं है । अपने विचारों की कुछ उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए । *20*

6. भारत में श्रेत्रीय विकास के प्रतिरूपों (पैटर्नों) के मुख्य तर्क क्या हैं ? व्याख्या कीजिए । *20*

7. सुधार दौर में भारतीय राज्य अधिक स्वायत्त हो गए हैं । क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? *20*

8. भारत में लोकतांत्रिक नागरिक समाज संगठनों के समक्ष चुनौतियों की चर्चा कीजिए । *20*

9. भारत का संविधान देश के रूपांतरण का एक परिदृश्य प्रदान करता है । परीक्षण कीजिए । *20*

10. बिना वितरणात्मक न्याय के पहचान का कोई अर्थ नहीं है । क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? *20*